भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1188
उत्तर देने की तारीख 08.12.2025

बांग्ला भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देना

1188. श्री कीर्ति आज़ाद :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा पूरे भारत में बांग्ला भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल, शैक्षिक और सांस्कृतिक पहलों सहित किए गए विशिष्ट उपायों का ब्यौरा क्या है;
(ख) सरकार बांग्ला के उपयोग और संरक्षण को समर्थन और बढ़ावा देने के लिए डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग के अंतर्गत विकसित एआई प्लेटफॉर्म जैसी आधुनिक तकनीकों का किस प्रकार लाभ उठा रही है;
(ग) शैक्षिक पाठ्यक्रम, आधिकारिक पत्राचार, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और डिजिटल मीडिया में बांग्ला के संरक्षण, प्रचार और संवर्धन के उद्देश्य से चल रहे या नियोजित सहयोग, कार्यक्रम या ढांचे का ब्यौरा क्या है; और
(घ) इन प्रचार प्रयासों की प्रासंगिकता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए बांग्ला भाषी समुदाय और सांस्कृतिक विशेषज्ञों को शामिल करने हेतु कार्यान्वित की गई रणनीतियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): बांग्ला उन 14 भाषाओं में से एक है जिसे 1950 में संविधान को अंगीकृत किए जाने के समय प्रारंभ में अनुसूचित भाषाओं में शामिल किया गया था। तत्पश्चात्, दिनांक 04.10.2025 के राजपत्र अधिसूचना के द्वारा, बांग्ला/बंगाली को भारत की शास्त्रीय भाषाओं में से एक के रूप में भी अधिसूचित किया गया।

संस्कृति मंत्रालय ने पूरे देश में सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र (जेडसीसी) स्थापित किए हैं। पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र का मुख्यालय कोलकाता, पश्चिम बंगाल में है, जो बांग्ला संस्कृति समेत देश के पूर्वी हिस्से में कई संजातीय सांस्कृतिक केन्द्रों/उत्कृष्ट समूहों के मध्य एक सांस्कृतिक धुरी वाले केंद्र के रूप में कार्य करता है।

मंत्रालय जेडसीसी के माध्यम राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव (आरएसएम) भी आयोजित करता है, जहाँ पूरे भारत से बड़ी संख्या में कलाकार शामिल होते हैं और वे इन कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव की 2021 की यात्रा पश्चिम बंगाल (कूच बिहार, दार्जिलिंग और मुर्शिदाबाद) में कई स्थानों पर आयोजित की गई, जिसमें बांग्ला कलाकारों सहित कई कलाकारों ने भाग लिया।

बांग्ला को राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन (भाषिणी), बांग्ला में सभी मुख्य सेवाओं और अनुप्रयोगों जैसे अनुवाद (ट्रांसलेशन) वेब सर्विस, मोबाइल एप्लिकेशन तथा डेवलपर एपीआई एवं भाषा प्रौद्योगिकी आदि का समर्थन प्रदान किया जाता है।

(ख): अत्याधुनिक प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी) क्षमताओं के व्यापक संग्रह तक निर्बाध पहुँच सुनिश्चित करने के लिए भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के भाषिणी प्रभाग ने एक एकीकृत मंच, राष्ट्रीय भाषा प्रौद्योगिकी केन्द्र (एनएचएलटी) विकसित किया है जिसके माध्यम से ये सेवाएँ बड़े पैमाने पर प्रदान की जाती हैं।

खुले ज्ञान पारिस्थितिकी तंत्रों के महत्व को पहचानते हुए, प्रभाग ने बांग्ला भाषा के लिए उच्च गुणवत्ता वाले डेटासेट को भाषिणी प्लेटफार्म और भारत के राष्ट्रीय एआई डेटासेट भंडार, एआई कोष, दोनों के माध्यम से सार्वजनिक रूप से सुलभ बनाया है।

वास्तविक दुनिया में इसे अपनाने और डिजिटल पहुँच की कमी को पूरा करने के लिए, प्रभाग ने कई प्रयोक्ता-केंद्रित एप्लिकेशन और उपाय उपयोग किए हैं। इनमें वेबसाइट अनुवाद टूल, दस्तावेज़ अनुवाद प्रणाली और वॉइस-फर्स्ट इंटरफ़ेस शामिल हैं, जिन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया है कि प्रयोक्ता किसी तकनीकी जानकारी के बिना डिजिटल सेवाओं का उपयोग कर सकें। वॉइस-बेस्ड संवाद के माध्यम से नागरिक अब बांग्ला में बात कर सकते हैं, बांग्ला में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, और टाइपिंग या कठिन इंटरफ़ेस पर निर्भर हुए बिना डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे पढ़ाई-लिखाई, भाषा और डिजिटल जानकारी से जुड़ी रुकावटें आसानी से कम हो जाती हैं।

(ग) और (घ): संस्कृति मंत्रालय अपनी विभिन्न स्कीमों के माध्यम से बांग्ला संस्कृति सहित देश भर में संस्कृति को बढ़ावा देने और परिरक्षित करने में लगे अनेक संगठनों/कलाकारों को सहायता प्रदान करता है। मंत्रालय की विभिन्न स्कीमों के अंतर्गत पश्चिम बंगाल में लाभार्थियों को प्रदान की गई निधियों का विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था, साहित्य अकादमी जो देश की साहित्यिक सांस्कृतिक के संरक्षण और संवर्धन के लिए काम करती है, बांग्ला समेत 24 भाषाओं में साहित्यिक रचनाओं को सम्मानित करती है और अपनी सभी पुरस्कार श्रेणियों के अंतर्गत बांग्ला में भी अवॉर्ड और सम्मान प्रदान करती है।

साहित्य अकादमी द्वारा पश्चिम बंगाल में हाल ही में की गई महत्वपूर्ण गतिविधियाँ **अनुलग्नक II** में दी गई हैं।

विशेष कार्यक्रमों के अलावा, साहित्य अकादमी कई व्यापक उत्सवों जैसे उन्मेष, फेस्टिवल ऑफ़ लेटर्स और साहित्योत्सव भी आयोजित करती है। ये कार्यक्रम भारत की कई अलग-अलग भाषाओं और संस्कृति को एक साथ लाने का काम करते हैं, जिसमें बांग्ला सहित विभिन्न भाषाओं के लेखक, चिंतक, नाटककार, रचयिता और पाठक उत्साह के साथ भाग लेते हैं।

****

अनुलग्नक-I

'बांग्ला भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देना' के संबंध में दिनांक 08 दिसम्बर, 2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1188 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पश्चिम बंगाल में संचालित विभिन्न स्कीमों के अंतर्गत वितरित धनराशि का विवरण और लाभार्थियों (व्यक्तियों/संगठनों) की संख्या

क्र. सं.	स्कीम का नाम	2020-2021		2021-2022		2022-2023		2023-2024		2024-25	
		लाभार्थियों की संख्या	राशि (लाख रु. में)	लाभार्थियों की संख्या	राशि (लाख रु. में)	लाभार्थियों की संख्या	राशि (लाख रु. में)	लाभार्थियों की संख्या	राशि (लाख रु. में)	लाभार्थियों की संख्या	राशि (लाख रु. में)
1.	गुरु शिष्य परंपरा को बढ़ावा देने के लिए वितीय सहायता (रेपर्टरी अनुदान)	112	821.76	333	2060.8	418	2288.48	208	1432.21	112	821.76
2.	राष्ट्रीय महत्व के सांस्कृतिक संगठनों को वितीय सहायता (आर.के. मिशन, पश्चिम बंगाल सहित)	0	0.00	2	6.75	0	0.00	2	37.50	3	31.25
3.	सांस्कृतिक समारोह और निर्माण अनुदान	229	216.09	310	364.14	410	544.44	357	206.86	302	435.61
4.	संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यक्तियों को फेलोशिप प्रदान करने की स्कीम	67	59.40	81	115.00	87	118.20	100	93.00	102	116.40
5.	विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों के लिए छात्रवृत्ति स्कीम	161	48.30	195	58.50	67	20.10	278	83.70	219	65.70
6.	वयोवृद्ध	37	5.09	32	12.31	27	11.71	35	28.53	39	20.37

	कलाकारों के लिए वित्तीय सहायता										
7.	बौद्ध/तिब्बती संस्कृति और कला के विकास के लिए वित्तीय सहायता	29	99.25	12	40.22	72	168	92	175.51	70	82.75

*****

अनुलग्नक-II

'बांग्ला भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देना' के संबंध में दिनांक 08 दिसम्बर, 2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1188 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

बांग्ला के प्रचार-प्रसार के लिए साहित्य अकादेमी द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की सूची

क्र. सं.	कार्यक्रम शीर्षक	दिनांक और समय	स्थल/ सहयोग	स्थान
1	साहित्यिक मंच: बंगाली कवियों द्वारा कविता वाचन	18 सितंबर 2025, 5:00 बजे अपराह्न	साहित्य अकादमी क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता सभागार	कोलकता
2	साहित्यिक मंच: बंगाली कविता और लघु कथा वाचन	30 अगस्त 2025, 11:00 पूर्वाह्न	दुर्गापुर राजकीय और ट्रिस्टूप पत्रिका	दुर्गापुर, पश्चिम बर्धमान, पश्चिम बंगाल
3	ग्रामलोक: बंगाली लेखकों द्वारा वाचन और चर्चा	29 अगस्त 2025, 11:00 पूर्वाह्न	राजगंज कॉलेज	जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल
4	बाल साहिति: बंगाली बाल साहित्य पर वाचन और चर्चा	27 अगस्त 2025, 2:00 बजे अपराह्न	उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय एवं मल्लार पत्रिका	दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल
5	नलिनी बेरा के साथ कथासंधि	26 अगस्त 2025, 5:30 बजे अपराह्न	साहित्य अकादमी पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय सभागार	कोलकता
6	युवा साहिति: युवा बंगाली लेखकों के साथ वाचन और चर्चा	26 अगस्त 2025, 4:00 बजे अपराह्न	साहित्य अकादमी पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय सभागार	कोलकता
7	संगोष्ठी: बंगाली साहित्य, रंगमंच और सिनेमा का संबंध	25 अगस्त 2025, 11:00 पूर्वाह्न	आईक्यूएसी और सेंट जेवियर्स कॉलेज (स्वायत्त), फादर डेपेलचिन सभागार	कोलकता
8	संगोष्ठी: बंगाली साहित्य में आदिवासी	13 अगस्त 2025, 11:00	बांकुरा विश्वविद्यालय, पुरंदरपुर	बांकुरा, पश्चिम बंगाल

	स्वर	पूर्वाह्न		
9	आदित्य मांडी के साथ कवि-अनुवादक	31 जुलाई 2025, 5:45 बजे अपराह्न	साहित्य अकादमी क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता सभागार	कोलकता
10	समकालीन बंगाली दलित साहित्य (साहित्यिक मंच)	31 जुलाई 2025, 4:00 बजे अपराह्न	साहित्य अकादमी क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता सभागार	कोलकता
11	साहित्यिक मंच: बंगाली साहित्य पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव	31 जुलाई 2025, 11:00 पूर्वाह्न	साधु रामचंद मुर्मू झारग्राम विश्वविद्यालय, जीतूसोल	झारग्राम , पश्चिम बंगाल
12	मुलाकात: युवा बंगाली लेखकों द्वारा वाचन और चर्चा	30 जुलाई 2025, 12:00 बजे अपराह्न	बनेश्वर सारथिबाला महाविद्यालय	कूच बिहार, पश्चिम बंगाल
13	निर्मल हलदर के साथ कथासंधि	4 जुलाई 2025, 11:30 पूर्वाह्न	सेमिनार हॉल, काशीपुर माइकल मधुसूदन महाविद्यालय	पुरुलिया, पश्चिम बंगाल
14	साहित्यिक मंच: महाभारत अध्ययन	25 जून 2025, 11:00 पूर्वाह्न	विद्यासागर सभागृह, कल्याणी विश्वविद्यालय	नादिया, पश्चिम बंगाल
15	साहित्यिक मंच: शैलजानंद मुखोपाध्याय की 125वीं जयंती	25 जून 2025, 11:00 पूर्वाह्न	मानकर कॉलेज	पूर्वी बर्धमान, पश्चिम बंगाल
16	संगोष्ठी: बंगाली साहित्य में हाशिये पर खड़े लोगों का चित्रण	24 जून 2025, 11:00 पूर्वाह्न	प्रेज़िडेन्सी विश्वविद्यालय	कोलकता
17	अस्मिता: बंगाली महिला लेखिकाओं द्वारा वाचन	23 जून 2025, 11:00 पूर्वाह्न	साल्टोरा नेताजी सेंटेनरी कॉलेज	बांकुरा, पश्चिम बंगाल

18	संगोष्ठी: 21वीं सदी में बंगाली उपन्यास	30 मई 2025, 10:00 पूर्वाह्न	विद्यासागर विश्वविद्यालय, बंगाली विभाग	पश्चिम मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल
19	अभिजीत तरफदार के साथ कथासंधि	(तिथि निर्दिष्ट नहीं; अगली प्रविष्टि के साथ जोड़ा गया)	—	—
20	साहित्यिक मंच: बंगाली लेखकों द्वारा वाचन	28 फरवरी 2025, 2:30 बजे अपराह्न	बिधाननगर कॉलेज	साल्ट लेक, कोलकता